

276  
23

राधा देवी

97.69 me

अज्ञेय

ग्राफ पट पञ्जावली गूल वाग सुनि-ताण  
होने के कारण वेरी में की अर्थ गूल  
पाउ का निस्तान्ना खेने के राजा शा. पत्र  
अज्ञेयपठनीय खेने के कतः शा. का ११६  
२७७ की खरा पर खादिल किजा जात  
ता पञ्जावली निस्तान्ना वादिल दमरा लेक  
नं. ले कत हो

~~प्रियका तलानिया~~  
~~सुखेपड अधिकारी~~  
अनूपगढ

